NEERAJ®

M.P.S.E.-12

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

(State and Society in Australia)

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Ved Prakash Sharma,* **M.A. (Pol. Science)**

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 280/-

Content

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

(State and Society in Australia)

Question Paper—June-2024 (Solved) 1-2
Question Paper—December-2023 (Solved) 1
Question Paper—June-2023 (Solved) 1
Question Paper—December-2022 (Solved) 1
Question Paper—Exam Held in March-2022 (Solved) 1-3
Question Paper—Exam Held in August-2021 (Solved) 1
Question Paper—Exam Held in February-2021 (Solved) 1
Question Paper—December, 2019 (Solved) 1
Question Paper—June, 2019 (Solved) 1
Question Paper—December, 2018 (Solved) 1
Question Paper—June, 2018 (Solved) 1
Question Paper—December, 2017 (Solved) 1
Question Paper—June, 2017 (Solved) 1

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page

1. आस्ट्रेलिया : भूमि और लोग 1
(Australia: Land and People)

2. आदिवासी लोग और यूरोपियन समाज का उपनिवेशीकरण 11
(Aboriginal People and European Settlers' Colonisation)

3. आप्रवासी 22
(Immigrants)

4. पहचान और नागरिकता 31
(Identity and Citizenship)

5. संवैधानिक विकास : एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य 41
(Constitutional Development: A Historical Perspective)

6. आस्ट्रेलिया में संघवाद 51
(Federalism in Australia)

7. आस्ट्रेलिया में राजनीतिक दल और दबाव समूह 59
(Political Parties and Pressure Groups in Australia)

8. आस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद 70
(Nationalism in Australia)

9. विकास के लिए कार्यनीतियाँ 77
(Strategies for Development)

10. विकासात्मक कार्यनीतियों का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव 83
(Socio-Economic Impact of Developmental Strategies)

11. विश्व अर्थव्यवस्था में आस्ट्रेलिया 90
(Australia in the World Economy)

12. आदिवासियों पर वर्तमान वाद-विवाद 97
(Current Debates on Aborigines)

13. आप्रवासन और नृजातीयता 104
(Immigration and Ethnicity)

14. आस्ट्रेलिया में बहुसंस्कृतिवाद 117
(Australian Multiculturism)

15. लिंग और महिला मुद्दे 126
(Gender and Women Issues)

16. आस्ट्रेलिया में भारतीय 137
(Indians in Australia)

■■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2024

(Solved)

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

(State and Society in Australia)

M.P.S.E.-12

समय : 2 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-I

प्रश्न 1. ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-1, पृष्ठ-6, प्रश्न 3

प्रश्न 2. औपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और ऑस्ट्रेलियाई मूल निवासी के पहचान की बदलती अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-2, पृष्ठ-15, प्रश्न 3

प्रश्न 3. बहुसांस्कृतिक समाज के उद्‌भव व विकास के लिए उत्तरदायी कारकों का परीक्षण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-14, पृष्ठ-119, प्रश्न 1, प्रश्न 2

प्रश्न 4. ऑस्ट्रेलियाई में राजनीतिक दलों की भूमिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-7, पृष्ठ-59, 'अनिवार्य मतदान तथा दलीय प्रणाली', पृष्ठ-68, प्रश्न 6

प्रश्न 5. ऑस्ट्रेलिया में संघवाद की कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-6, पृष्ठ-51, 'परिचय', पृष्ठ-52, 'संघवाद की प्रकृति और शक्तियों का विभाजन', 'वित्तीय संबंध ', पृष्ठ-53, 'दोहरी न्यायपालिका', 'केन्द्रीयकरण की ओर'

खण्ड-II

प्रश्न 6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(क) महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-15, पृष्ठ-129, 'राजनीति और सरकार में महिलाएं'

(ख) ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-16, पृष्ठ-139, प्रश्न 2

प्रश्न 7. ऑस्ट्रेलियाई में बहुसंस्कृतिवाद और राष्ट्रीय पहचान की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-14, पृष्ठ-118, 'ऑस्ट्रेलिया में बहुसंस्कृतिवाद', 'ऑस्ट्रलियाई बहुसंस्कृतिवाद', पृष्ठ-120, प्रश्न 4

प्रश्न 8. वैश्वीकरण के युग में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-11, पृष्ठ-93, प्रश्न 2, प्रश्न 3, पृष्ठ-94, प्रश्न 4

प्रश्न 9. वैश्वीकरण के संदर्भ में प्रवास (immigration) के बदलते स्वरूप और आर्थिक समृद्धि की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-13, पृष्ठ-109, प्रश्न 2

प्रश्न 10. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए–

(क) ऑस्ट्रेलिया में हाल का चुनाव

उत्तर–ऑस्ट्रेलिया में प्रतिनिधि सभा के 151 सदस्यों का चुनाव एकल सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों में वैकल्पिक वोट (AV) द्वारा किया जाता है, जिसे अन्यथा इंस्टैंट रनऑफ वोटिंग (IRV), रैंक्ड चॉइस वोटिंग (RCV) या केवल प्रेफरेंशियल वोटिंग के रूप में जाना जाता है।

मतदाता उम्मीदवारों को उनकी वरीयता के क्रम (1, 2, 3, आदि) में रैंक करते हैं। लेकिन, वरीयता मतदान प्रणाली का उपयोग करने वाले अन्य देशों के विपरीत, ऑस्ट्रेलियाई मतदाताओं को अपने वोट को वैध या 'औपचारिक' बनाने के लिए मतपत्र पर सूचीबद्ध सभी उम्मीदवारों को रैंक करना होगा। इसमें मदद करने के लिए, पार्टियों द्वारा 'कैसे वोट करें' कार्ड जारी करना आम बात है, जो यह दर्शाता है कि वे अपने मतदाताओं को अन्य उम्मीदवारों को किस तरह रैंक करना पसंद करेंगे।

यदि कोई उम्मीदवार पहली वरीयता के आधे से ज्यादा वोट जीतता है, तो उसे सीधे तौर पर चुना जाता है। यदि नहीं, तो सबसे कम वोट पाने वाले उम्मीदवार को बाहर कर दिया जाता है और उसके वोट प्रत्येक मतदाता की अगली वरीयता को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। यह तब तक जारी रहता है जब तक कि किसी एक उम्मीदवार को बहुमत न मिल जाए, जिसके बाद उसे चुना जाता है।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

पिछले पांच चुनावों में, औसतन 57 निर्वाचन क्षेत्रों (38%) का निर्णय केवल प्रथम वरीयता के आधार पर हुआ है और 92% सीटें उस उम्मीदवार ने जीती हैं, जिसने सबसे अधिक प्रथम वरीयता के वोट जीते हैं (अर्थात् प्रथम वरीयता वाले चुनाव के समान परिणाम)।

सीनेट के कुल 76 सदस्य हैं–प्रत्येक राज्य से बारह सीनेटर और दोनों आंतरिक क्षेत्रों से दो-दो सीनेटर। लेकिन, जब तक विशेष श्दोहरा विघटनश नहीं कहा जाता, प्रत्येक चुनाव में केवल 40 सीनेटर चुने जाते हैं–प्रत्येक राज्य से छह और सभी क्षेत्रों से चार।

सीनेटरों का चुनाव आनुपातिक एकल हस्तांतरणीय मत (एसटीवी) के माध्यम से किया जाता है, जिसमें राज्य और क्षेत्र निर्वाचन क्षेत्र के रूप में कार्य करते हैं।

जबकि एसटीवी चुनावों में आम तौर पर मतदाता उम्मीदवारों को रैंक करते हैं, ऑस्ट्रेलिया में मतदाताओं के पास दो विकल्प होते हैं। वे पार्टियों के लिए 'लाइन के ऊपर' या व्यक्तिगत उम्मीदवारों के लिए 'लाइन के नीचे' वोट कर सकते हैं। प्रतिनिधि सभा के विपरीत हर पार्टी या उम्मीदवार को रैंक करना अनिवार्य नहीं है–लेकिन कम से कम छह पार्टियों या बारह व्यक्तिगत उम्मीदवारों की अपेक्षा की जाती है।

ऑस्ट्रेलियाई राजनीति में दो राजनीतिक ताकतों का वर्चस्व है–सामाजिक-लोकतांत्रिक लेबर पार्टी और रूढ़िवादी लिबरल-नेशनल गठबंधन। तकनीकी रूप से गठबंधन दो पार्टियों–लिबरल और अधिक ग्रामीण-केंद्रित नेशनल पार्टी से बना है, लेकिन, जर्मनी में सीडीयू/सीएसयू की तरह, गठबंधन को आमतौर पर अधिकांश इरादों और उद्देश्यों के लिए एक ही पार्टी माना जाता है।

ऑस्ट्रेलियाई राजनीति पर दोनों दलों की पकड़ प्रतिनिधि सभा में सबसे स्पष्ट है, जहाँ उन्होंने युद्ध के बाद के युग में लगभग सभी सीटों पर संयुक्त रूप से कब्जा किया है।

अब तक की सबसे बड़ी तीसरी पार्टी ग्रीन्स है जो आम तौर पर लगभग 10% प्रथम वरीयता वोट जीतती है। वे एकमात्र अन्य पार्टी हैं जिनकी पिछले दशक में प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में लगातार उपस्थिति रही है और वर्तमान में सभी छह राज्यों में राष्ट्रीय या राज्य-स्तरीय प्रतिनिधियों वाली एकमात्र तीसरी पार्टी है।

हाल ही में सीनेट में सीटें जीतने वाली छोटी पार्टियों में विभिन्न दक्षिणपंथी लोकलुभावन पार्टियां शामिल हैं, जो अक्सर किसी विशेष व्यक्ति के लिए वाहन के रूप में काम करती हैं, जिनमें पॉलीन हैनसन की वन नेशन, कैटर की ऑस्ट्रेलियन पार्टी और क्लाइव पामर की यूनाइटेड ऑस्ट्रेलिया पार्टी - के साथ-साथ उदारवादी सेंटर अलायंस और रिलीजन फैमिली फर्स्ट शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 21 मई 2022 को संसदीय चुनाव हुए। यहां सरकार का कार्यकाल 3 साल है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के उन चंद देशों में शामिल है, जहां कानूनी तौर पर मतदान जरूरी है। ऐसा न करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है।

इस बार के चुनाव में महिलाओं के वोट काफी अहम माने जा रहे हैं। इसकी वजह से महिलाओं से भेदभाव के आरोप हैं। ऑस्ट्रेलियाई इतिहास में सिर्फ एक महिला प्रधानमंत्री हुई और वो थीं जूलिया गिलार्ड। सरकार के अहम पदों पर पुरुष ही तैनात हैं। मॉरिसन को संसद में महिला स्टाफर के यौन शोषण के मुद्दे पर देश से माफी मांगनी पड़ी थी। इस बार ज्यादातर महिलाएं उनकी सरकार के खिलाफ नजर आती हैं।

संसदीय चुनाव की कुछ अहम बातें

- ऑस्ट्रेलिया में हमारे देश की तरह ही दो सदन हैं। ऊपरी सदन को सीनेट और निचले सदन को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स कहा जाता है। निचले सदन में बहुमत पाने वाली पार्टी या गठबंधन का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है।
- इसके साथ ही ऊपर सदन की 50% सीटों के लिए भी वोटिंग होगी। इसका कार्यकाल 6 साल है और हर 3 साल में आधे सदस्य बदल जाते हैं। इन आधे सदस्यों के लिए भी वोटिंग होनी है।
- 18 साल या इससे अधिक उम्र के सभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिक वोटिंग कर सकते हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए उम्र तय नहीं है। दूसरे शब्दों में कहें तो 18 साल या ज्यादा उम्र के जो लोग वोटिंग कर सकते हैं, वो चुनाव भी लड़ सकते हैं और प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं।

(ख) ऑस्ट्रेलिया में कल्याणकारी राज्य की भूमिका

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-10, पृष्ठ-87, प्रश्न 4

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

आस्ट्रेलिया में राज्य और समाज
(State and Society in Australia)

आस्ट्रेलिया : भूमि और लोग
(Australia: Land and People)

1

परिचय

20वीं शताब्दी के मध्य में आस्ट्रेलिया भौगोलिक एवं सांस्कृतिक रचना के दृष्टिकोण से एकीकृत राष्ट्र के रूप में जाना जाता था। यूरोप की भिन्न-भिन्न राष्ट्रीयताओं द्वारा विभाजित एवं समस्याओं से ग्रसित स्वरूप की बजाय यहां एकात्मकता अत्यंत विचित्र दिखाई देती थी। विगत कुछ सालों से यहां भी आबादी की विभिन्नताओं और परिवर्तनशील संरचना की ओर ध्यान आकर्षित होने लगा है। 1788 में आस्ट्रेलिया की उत्पत्ति ब्रिटिश सजायाफ्ता बस्ती के रूप में हुई थी। वहां स्वेच्छानुसार बसे हुए बहुत ही कम लोग थे। ये बस्तियां पूर्वी तटीय प्रदेश से शुरू हुईं, लेकिन शीघ्र ही ऊनी उद्योगों की स्थापना से वहां के मूल निवासी तथा उनकी भूमि पर दासता की छाया मंडराने लगी। वर्तमान में मूलवासियों को एक अलग सामाजिक वर्ग माना जा रहा है। 'नीचे की भूमि' माना जाने वाला आस्ट्रेलिया एशिया महाद्वीप के दक्षिण पूर्व में तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है। संसार का यह विशालतम द्वीप और सबसे छोटा महाद्वीप है। आस्ट्रेलिया का भूक्षेत्र 77 लाख 13 हजार 360 वर्ग किलोमीटर है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से आस्ट्रेलिया को 6 प्रान्तों तथा 3 क्षेत्रों में बांटा गया है। ये राज्य हैं न्यू साउथ वेल्स, क्वीन्सलैण्ड, विक्टोरिया, तस्मानिया, दक्षिण आस्ट्रेलिया और पश्चिमी आस्ट्रेलिया। आस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र, उत्तरी क्षेत्र तथा जर्विस खाड़ी क्षेत्र तीन प्रशासकीय क्षेत्र हैं।

इस अध्याय के अन्तर्गत आस्ट्रेलिया की प्रमुख भौगोलिक विशेषताओं, आस्ट्रेलियाई जनसंख्या के प्रमुख लक्षण, आस्ट्रेलियाई समाज की जातीय एवं सांस्कृतिक समस्याओं तथा आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय पहचान की रूपरेखा आदि की चर्चा की गई है।

अध्याय का विहंगावलोकन

भौगोलिक रचना

आस्ट्रेलिया का प्रमुख भूभाग बड़े-बड़े मैदानों से भरा हुआ है, जिसमें प्रत्येक स्थान पर नदियों के कछार भी दिखाई देते हैं। इनमें प्रमुख कछार (Basins) हैं मुरे (Murray), जिप्सलैंड (Gippsland), युक्ला (Eucla), कारपेंटेरिया (Carpentaria) तथा लेक आयर (Lake Eyre) आदि। धीरे-धीरे ये कछार भर गए हैं, अब इनमें से कुछ में कोयला तथा तेल के भंडार भी मिल रहे हैं। आस्ट्रेलिया में न तो पर्वत ही हैं, न कोई सक्रिय ज्वालामुखी है और न बड़ी नदियां ही हैं। पहाड़ियों की एक शृंखला देश के पूर्वी तट के साथ-साथ चल रही है, जिसे महान विभाजक शृंखला के नाम से जाना जाता है। ज्यादातर जनसमुदाय देश के पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिम के नीचे तटीय प्रदेशों में बसा हुआ है। संसार का सबसे विशाल प्रवाल क्षेत्र-ग्रेट बैरियर रीफ (Great Barrier Reef) आस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट के साथ-साथ स्थित है। यह प्रवाल क्षेत्र तट के साथ-साथ 2012 किमी की लम्बाई में फैला हुआ है।

www.neerajbooks.com

उत्तरी अमेरिका और यूरोप तो ज्यादातर भूमि को पिछले हिमयुग की देन और इसे लगभग 20 हजार साल पुरानी मानते हैं, लेकिन आस्ट्रेलियाई भूक्षेत्र तो अपनी लाखों सालों की विशेषताएं संजोए हुए है। बहुत लंबा समय होने के कारण आस्ट्रेलिया को 'जीवाष्मीय महाद्वीप' के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन इसकी ज्यादातर आधुनिक विशेषताएं नवीन घटनाक्रमों का ही नतीजा हैं। अनेक बार महासागरीय अतिक्रमण ने भूक्षेत्र को रेत, शंख-सीपियों तथा मिट्टी से ढक दिया है। इसके साथ ही उष्ण और शुष्क जलवायु ने सूखी नदियों और रेत के टीलों का निर्माण किया है। मिट्टी के इसी प्रवाह ने आस्ट्रेलिया को आधुनिक आकार दिया है। ज्यादातर नदियां नमक की झीलों में जाकर समाप्त हो जाती हैं, जो हमेशा सूखी हुई दिखाई देती हैं। कुछ ही नदियां समुद्र तक पहुंचती हैं, जिन्होंने देश के तटवर्ती क्षेत्रों को पर्वत, पठार और घाटियों का स्वरूप प्रदान किया है।

विगत हिम युग में समुद्र जल स्तर वर्तमान से 100 मीटर नीचा था और नदियां उस स्तर तक भूमि की कटाई कर चुकी थीं। लेकिन जब बर्फ पिघलने पर समुद्र का स्तर ऊपर उठा, तो अनेक घाटियां उससे लाभान्वित हो गईं। कुछ घाटियां सिडनी जैसी खुबसूरत बंदरगाह बनीं, तो कुछ नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी से भर गई हैं। आस्ट्रेलिया के निम्न तटीय प्रदेशों की वर्तमान रचना यही है। आस्ट्रेलिया के चारों तरफ एक चौड़ी महाद्वीपीय पट्टी फैली हुई है और उसका ढाल बहुत तीव्र है। सिर्फ न्यू साउथ वेल्स में यह पट्टी बहुत ऊबड़-खाबड़ है।

आस्ट्रेलिया की वर्तमान भूसंरचना अनेक स्वरूपों में बहुत लंबे समय से चली आ रही गतिविधियों का नतीजा है। इसी ने आस्ट्रेलिया में प्राणी विज्ञान और मानवीय प्रक्रियाओं के विभाजन की रूपरेखा का निर्माण किया है। आस्ट्रेलिया को भौतिक भौगोलिक दृष्टिकोण से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है महान पश्चिमी पठार, मध्य-पूर्व के मैदान और पूर्वी उच्च भूमि पट्टी। अंटार्कटिका को छोड़कर जगह-जगह सागर-आप्लावन के फलस्वरूप बने छिछले क्षेत्र भी दिखाई देते हैं। आस्ट्रेलिया को समस्त महाद्वीपों में निम्नतम, मैदानी और शुष्कतम महाद्वीप माना जाता है। इसी से आस्ट्रेलिया की अपनी विशिष्ट भौतिक भौगोलिक रचना का निर्माण हुआ है।

महान पश्चिमी पठार

पश्चिमी पठार आस्ट्रेलिया के भूक्षेत्र के लगभग दो-तिहाई भाग को घेरे हुए है। इसी में इसके ज्यादातर मरुस्थल, खाड़ियां झीलें और खानें भी विद्यमान हैं। पश्चिमी पठार के अनेक क्षेत्रों को अलग-अलग नाम दिए जा चुके हैं, जैसे किंबर्ले (Kimberley), हैमर्स्ले (Hamersele), एर्नेम लैण्ड (Arnhem Land), यिलगार्न (Yilgran) आदि। इस पठारीय भूक्षेत्र की प्रमुख विशेषता यहां की रुक्ष सूखी भूमि ही है। यह रुक्षता वायु क्षरण, उच्च तापमान और सूखीं प्यासी मिट्टी के जल द्वारा कटाव का नतीजा है। प्राचीन जल जहां एकत्रित होता था, उन्हीं छिछले क्षेत्रों में अब नमक की परतें जम गई हैं। तीव्र हवाओं ने इन परतों को टीलों में परिवर्तित कर दिया है। आस्ट्रेलिया की पुरानी सभ्यता के अनेक अवशेष इसी नमक के टीलों से भरे हुए क्षेत्र में दिखाई देते हैं। इस क्षेत्र के दो-तिहाई भाग में नदियां दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं देतीं। इसी वजह से सतह और धरती के नीचे भी पानी की बहुत कमी है। सिर्फ दक्षिण-पश्चिम में ही छोटी-छोटी स्थायी जल-प्रवाह वाली नदियां हैं। इस विशाल भूभाग के सिर्फ दक्षिण-पश्चिम में ही मानवीय जीवनयापन के लिए उचित जलवायुगत परिस्थितियां दिखाई देती हैं। इस क्षेत्र में मानवीय उपस्थिति को सरल बनाने वाली विशेषता खनिज संपदा है, जिसके खनन के लिए भी खनिकों की बस्तियां बस गई हैं। यहां चांदी, शीसा, जस्ता, सोना, तांबा, लोहा आदि के अयस्क तो अत्यधिक मात्रा में मिल ही जाते हैं साथ ही टिन, मोलीबडनम, टिटेनियम, टेंटालम, टंगस्टन और एस्बेस्टॉस के भण्डार भी मौजूद हैं।

मध्य पूर्वी मैदान

यह मैदानी क्षेत्र कार्पेंटेरिया खाड़ी से लेकर विशिष्ट-उत्स्रुत द्रोण (Great Artesan Basin) होते हुए मुरे-डार्लिंग के मैदानों (Murra-Darling Plains) तक फैला हुआ है। इस संपूर्ण क्षेत्र की समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 800 फुट से कम ही है और ये क्वीन्सलैण्ड के पश्चिमी और मध्य भागों से न्यू साउथ वेल्स होते हुए उत्तरी क्षेत्र और दक्षिण आस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में फैला हुआ है। इस क्षेत्र में मैक्डोनेल और मस्ग्रेव की पहाड़ियों की शृंखलाएं मौजूद हैं। इस क्षेत्र में दरारें पड़ने और सतह के तहदार बनने का काम बहुत पहले ही हो चुका है। इसके बावजूद भी इस क्षेत्र में सीधे-सपाट मैदान ही दिखाई देते हैं। महाद्वीप की भूगर्भीय चट्टानों की रचना कुछ ऐसी हुई है कि ये पूर्व की ओर ऊँची तथा मध्य में कुछ नीची हो गई हैं। इसी वजह से एक विशाल द्रोण बन गया है। ऐयर झील नाम से प्रसिद्ध यह द्रोण संसार का सबसे बड़ा आन्तरिक जल प्रवाह क्षेत्र है। मुरे-डार्लिंग द्रोण दूसरा विशालतम संरचना वाला द्रोण है। तीसरा द्रोण सुदूर उत्तर में है वहां खाड़ी का द्रोण अन्ततः कार्पेंटेरिया की खाड़ी में समाहित हो जाता है।

पूर्वी उच्च भूमि

केन्द्रीय आस्ट्रेलिया से पूर्व की ओर बढ़ते हुए भूभाग लगातार एक पठार से दूसरे ऊँचे पठार की तरफ फैला हुआ

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

दिखाई देता है। 2228 मीटर ऊँचा कॉशियस्जको पर्वत इसका सबसे ऊँचा भाग कहा जाता है। केपयॉर्क से तस्मानिया द्वीप तक फैली ये उच्च भूमि महाविभाजक कड़ी के नाम से जानी जाती है, लेकिन यह भ्रामक है। पूर्वी उच्च भूमि में कहीं-कहीं पठार ने जल द्वारा क्षरण के कारण ऊंची-नीची पहाड़ियों का रूप धारण कर लिया है और इसके पूर्वी किनारे की रचना तीखे कगारों-सी दिखाई देती है। उत्तरी क्वीन्सलैण्ड से लेकर विक्टोरिया की सीमा तक तो इन कगारों की ही एक कड़ी सी बन गई है। इन्हीं कगारों के ऊपर से गिरती हुई नदियां आस्ट्रेलिया के सबसे ऊँचे जलप्रपातों का निर्माण करती हैं। भले ही तस्मानिया मुख्य भूमि से अलग द्वीप हो, लेकिन उसकी रचना भी पूर्वी उच्च भूमि वाली विशेषताओं के समान है। इसी वजह से इसे उच्च भूमि का भाग माना जाता है।

जलवायु

लगभग साढ़े पाँच सौ करोड़ वर्ष पहले आस्ट्रेलिया का भूखंड अंटार्कटिका के साथ अपने स्थान से टूटकर उत्तर दिशा की ओर खिसकने लगा था। आस्ट्रेलिया की जलवायु में कई बदलाव हुए हैं, लेकिन किसी भी दृष्टिकोण से यह अक्षांतर नहीं बदला। आस्ट्रेलिया की जलवायु दक्षिण ध्रुव के पास भी उष्ण आर्द्र ही थी। देशांतरीय बदलावों के बाद भी काफी समय तक जलवायु की यही विशेषता बनी रही।

तापमान

इसकी जलवायु इसके अपने स्वरूप भूमध्य रेखा से समीपता और आसपास के महासागरों से प्रभावित होती है। हालांकि संसार के तापमान में अत्यधिक बदलाव होते रहते हैं। देश के उत्तरी भागों में 'उष्णकटिबंधीय मानसूनी तो दक्षिण में समशीतोष्ण सी जलवायु रहती है। देश का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा उष्णकटिबंध में आता है। यहां उष्ण आर्द्र और उष्ण शुष्क दो प्रकार की ऋतुएं होती हैं। देश के दो-तिहाई भाग में रेगिस्तान है। यहां की ज्यादातर जनसंख्या तटीय समशीतोष्ण क्षेत्रों में निवास करती है। देश के समस्त भीतरी स्थानों पर तीव्र गर्म हवाएं चलती हैं। दक्षिणी क्षेत्रों में गर्मियों का तापमान 65 से 75 अंश फारेनहाइट होता है, तो उत्तरी भागों में यह 80 से 85 अंश तक पहुंच जाता है। आस्ट्रेलिया महाद्वीप का सबसे ठंडा महीना जुलाई है। इस महीने में देश के दक्षिणी भागों में 1500 फुट से नीचे स्थानों पर तापमान 45 से 55 अंश के बीच रहता है।

वर्षा

महाद्वीप के 40 प्रतिशत हिस्से में वर्षा का औसत 10 इंच वार्षिक से भी कम रहता है। सिर्फ 9 प्रतिशत भागों में ही 40 इंच से ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यहां पूर्वी हवाएं चलती हैं और जैसे-जैसे ये हवाएं आंतरिक क्षेत्र की ओर चलती हैं, इनकी आर्द्रता कम होती जाती है। इससे पूर्वी तटीय पहाड़ियों में ही सबसे ज्यादा वर्षा होती है। यहां गर्मी और सर्दी दोनों ही ऋतुओं में वर्षा होती है। यहां वार्षिक वर्षा का औसत लगभग 170 इंच से ऊपर रहता है। दूसरे स्थान पर उत्तर-पश्चिमी तस्मानिया आता है जिसका वार्षिक वर्षा औसत 140 इंच रहता है। जार्विस खाड़ी से कैप यार्क प्रायद्वीप के मध्य के पूर्व तट पर वर्षा का औसत मध्यम रहता है। महाद्वीप के बाकी समस्त हिस्सों में वर्षा का वार्षिक औसत 10 इंच से कम ही रहता है। पूर्वोत्तर क्षेत्रों को छोड़कर शेष देश में वर्षा प्रमुख रूप से उष्णकटिबंधीय एवं दक्षिणात्मक न्यून दबावों पर आश्रित रहती है। प्रमुख रूप से दक्षिणी न्यून दबाव सर्दियों में सक्रिय होकर दक्षिण पश्चिम और दक्षिण आस्ट्रेलिया तथा तस्मानिया के कुछ हिस्सों में वृष्टि लाभ पहुंचाते हैं। यहां अक्तूबर में सबसे ज्यादा वर्षा होती है, लेकिन देश के मध्यम तथा उत्तर-पश्चिम में वर्षा ज्यादा नहीं होती है।

आस्ट्रेलियाई लोग

जनसंख्या नीतियों का प्रादुर्भाव और विकास

आस्ट्रेलिया संसार का सबसे अधिक संस्कृति बहुल देश माना जाता है। इस बहुलता का प्रमुख कारण देश की आव्रजन नीतियां हैं। आस्ट्रेलियाई समाज और जनमानस की परिवर्तित रचनाओं को जानने के लिए इसकी जनसंख्या की संरचना को जानना अत्यंत जरूरी है। प्रमुख रूप से आप्रवासी इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स से ही आए थे। आस्ट्रेलियाई संघ की रचना (1901) के समय भी संयुक्त राज्य में पैदा हुए लोग सभी आप्रवासियों में सबसे अधिक 58 प्रतिशत थे। इनमें से आयरिश 21 प्रतिशत थे। स्वेच्छा से यहां आकर बसने वालों को किसी एक यूरोपीय भाषा में श्रुतलेख की कसौटी पर भी खरा उतरना पड़ता था। इसे 'श्वेत आस्ट्रेलिया नीति' कहा जाता था। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात तो जनसंख्या वृद्धि बहुत ज्यादा हो गई, अत: देश में 'बढ़ो या मिटो' का नारा लगाया गया था। विभिन्न देशों से लोग यहां आकर बसने लगे। 1970 के दशक के प्रारंभ में इस नीति को समाप्त करके आव्रजन कार्यक्रम का स्वरूप बहुत बढ़ा दिया गया। तब से आस्ट्रेलियाई समाज की आबादी की रचना में नाटकीय बदलाव दिखाई देने लगे हैं। वर्ष 2000 में 24 प्रतिशत अर्थात 4 में से एक आस्ट्रेलियाई नागरिक विदेश में पैदा हुआ था। 1970 के दशक में दक्षिण पूर्व एशिया से हजारों लोग आस्ट्रेलिया में शरणार्थी बनकर आए थे। 1988 में इसी क्षेत्र से आव्रजकों का अनुपात 40

www.neerajbooks.com

प्रतिशत हो गया था। हालांकि आस्ट्रेलिया की ज्यादातर आबादी यूरोपीय मूल में रहने वालों की है। सन 2004 के मध्य में आस्ट्रेलिया की कुल आबादी 2.01 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई थी। जन्म और मृत्यु दर के अंतर से हुई प्राकृतिक बढ़ोतरी 2003-2004 में 1,21,000 थी, तो इसकी तुलना में आव्रजकों की संख्या 1,17,600 रही। माना जा रहा है कि वर्तमान शताब्दी के मध्य तक आस्ट्रेलिया की आबादी 2.6 से 2.7 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

जनसंख्या की विशेषताएँ

जीवन प्रत्याशा दर और जीवन स्तर आस्ट्रेलिया में जन्म के समय महिलाओं की औसत जीवित रहने की उम्र 80 वर्ष है। यह पुरुषों से 6 वर्ष ज्यादा है। महिलाएं अपने जीवन के तीसरे दशक के अंत के पास पहुंचकर ही माता की जिम्मेदारी उठाने लायक होती हैं। 1961 की प्रजनन दर 3.1 प्रति नारी से घटकर 1.75 रह गई है। जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि की दर में कमी से चिंतित सरकार अब महिलाओं को प्रजनन के लिए सहयोग राशि दे रही है। प्रत्येक बच्चे के जन्म पर मां को 3000 आस्ट्रेलियाई डॉलर की सरकारी सहयोग राशि भी दिए जाने की घोषणा की गई है। पुरुष और स्त्री में कोई भेदभाव नहीं है। सभी को समान शिक्षा सुलभ है और वेतनमानों तथा सरकारी व गैर-सरकारी उच्च पदों पर महिलाओं की पहुंच भी निर्बाध ही है।

वृद्धावस्था का प्रसार विगत शताब्दी में जन्म दर तथा मृत्यु दर आदि पर नियंत्रण के कारण जीवित रहने की दर में हुए सुधारों का एक नतीजा जनसंख्या की औसत आयु में बढ़ोतरी है। जीवन स्तर में सुधार के इस प्रयास का स्वागत हुआ है। राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन-1975 (बोरी रिपोर्ट) में इसका प्रमुख रूप से वर्णन करते हुए कहा गया था कि नीति निर्धारण स्तर पर इसका कोई असर नहीं होता, लेकिन आस्ट्रेलिया में जन्म और मृत्यु दरों में लगातार कमी होने से आने वाले कुछ सालों में देश में वृद्धावस्था के तीव्र गति से बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। 1980 के दशक में आव्रजन को वृद्धावस्था प्रसार निरोधन की कारगर नीति के रूप में प्रचारित किया जा रहा था, लेकिन 1990 के दशक में यह साफ हो गया कि ये वृद्धता के प्रभावों का निराकरण करने की बहुत ही अकुशल नीति है। इस विषय पर दोबारा बहस छिड़ गई है तथा कहा जा रहा है कि अपनी युवावस्था को बनाए रखने के लिए आस्ट्रेलिया में उचित जनसंख्या नीतियां अपनाए जाने की जरूरत ही अपेक्षित होती है।

शहरीकरण आस्ट्रेलिया एक शहरीकृत देश है, इसकी 85 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और सिर्फ 15 प्रतिशत ही ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ज्यादातर आबादी नगरों में रहती है, अपितु राष्ट्रीय और प्रान्तीय राजधानियों में तो जन-संकेन्द्रण विशेष रूप से अत्यधिक है। यह प्रवृत्ति अत्यंत पुरानी दिखाई देती है। इसके अनेक कारण भी हैं

1. यूरोपीय बस्तियों के निर्माण के समय से ही ये नगर प्रशासन के केन्द्र रहे हैं।
2. अपनी व्यावसायिक सुविधाओं तथा बड़े बाजारों के आकार के कारण ये कई उद्योगों को आकर्षित करने में भी सफल हुए हैं।
3. ये नगर बड़े बंदरगाह भी हैं और यह विदेशी व्यापार से जुड़ी समृद्धि का अत्यधिक प्रसार है।

आस्ट्रेलियाई अस्मिता (पहचान) और परिकल्पना

आस्ट्रेलियाई नागरिकों की कई प्रकार से पहचान की जा सकती है। कहीं इसका आकार जन-सांस्कृतिक है अथवा फिर नृजातीय, धार्मिक, स्त्री-पुरुष भेदभाव सूचक, वर्ग निर्धारित या विचारधारा आधारित भी है। इस समाज की नृजातीय सांस्कृतिक कठिनाइयों का वर्णन करते समय इन सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखना अत्यंत जरूरी है।

राष्ट्रीय पहचान आस्ट्रेलिया में विविधताओं के मध्य ऐसी कोई राष्ट्रीय पहचान भी है जो यहां के नागरिकों को एकता के सूत्र में बांधे रखती है। समयानुसार अनेक ऐसे संयुक्त प्रयास किए गए हैं, जिन्हें आस्ट्रेलिया की विलक्षणता माना जाता है। लेकिन क्या वे सूत्र मौलिक रूप से आस्ट्रेलियाई हैं अथवा कृत्रिम रूप से राष्ट्र की छवि का निर्माण करने के लिए ही उनकी कल्पना की गई है?

आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय अस्मिता की परिकल्पना निश्चित ही समाज में उत्पन्न सशक्त विचारधाराओं और चिन्तन की ही जननी रही है। इसी परिकल्पना के आधार पर आस्ट्रेलिया के नागरिकों को प्रजाति, धर्म और नैतिकता आधारित चरित्र प्रदान किया गया है, लेकिन देश के इतिहास काल के घटनाक्रम के कारण समाज के विकास की इस प्रक्रिया से समाज के कई वर्ग पूरी तरह से समाज से बाहर हो गए हैं। आज भी प्राचीन दु:साहसियों का वंशज होना एक शर्मसार कर देने वाली अतीत की यादों को ताजा कर देता है। आज राष्ट्रीय अस्मिता की कौन-सी समस्त छवियां ज्यादा तीव्र हैं? 19वीं शताब्दी में स्वेछित आव्रजकों की शारीरिक मानसिक रचना ने आस्ट्रेलियाई व्यक्तित्व की संकल्पना पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उसे सशक्त, स्वतंत्र, अनुशासित, दृढ़ निश्चयी और जंगल की